



Literacy for a Billion

Movie: Mohra

Year: 1994

Song: Na kajre ki dhaar

Lyricist: Anand Bakshi

ना कज़रे की धार  
ना मोतियों के हार  
ना कोई किया सिंगार  
फिर भी कितनी सुंदर हो  
तुम कितनी सुंदर हो  
ना कज़रे की धार  
ना मोतियों के हार  
ना कोई किया सिंगार  
फिर भी कितनी सुंदर हो  
तुम कितनी सुंदर हो

मन में प्यार भरा  
और तन में प्यार भरा  
जीवन में प्यार भरा  
तुम तो मेरे प्रियवर हो  
तुम ही तो मेरे प्रियवर हो

सिंगार तेरा यौवन  
यौवन ही तेरा गहना  
सिंगार तेरा यौवन  
यौवन ही तेरा गहना  
तू ताज़गी फूलों की  
क्या सादगी क्या कहना  
उड़े खुशबू जब चले तू  
उड़े खुशबू जब चले तू  
बोले तो बजे सितार  
ना कज़रे की धार

ना मोतियों के हार  
ना कोई किया सिंगार  
फिर भी कितनी सुंदर हो  
तुम कितनी सुंदर हो

तेरा अंग सच्चा सोना  
मुस्कान सच्चे मोती  
तेरा अंग सच्चा सोना  
मुस्कान सच्चे मोती  
तेरे होंठ है मधुशाला  
तू रूप की है ज्योती  
तेरी सुरत जैसे मुरत  
तेरी सुरत जैसे मुरत  
मैं देखूँ बार बार  
ना कज़रे की धार  
ना मोतियों के हार  
ना कोई किया सिंगार  
फिर भी कितनी सुंदर हो  
तुम कितनी सुंदर हो  
मन में प्यार भरा  
और तन में प्यार भरा  
जीवन में प्यार भरा  
तुम तो मेरे प्रियवर हो  
तुम ही तो मेरे प्रियवर हो  
आ...

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*



Literacy for a Billion

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitled Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*